साहित्य अकादमी द्वारा बच्चों हेतु रचनात्मक लेखन पर आयोजित वर्कशाप सम्पन्न

वर्कशाप में भाग लेने वाले बच्चों को साहित्य अकादमी द्वारा सर्टीफिकेट बांटने का दृश्य।

नई दिल्ली, 2 जून (मिसरदीप भाटिया): साहित्य अकादमी ने 'किस्सा-ओ-कलम' शीर्षक वाली बच्चों हेतु एक रचनात्मक लेखन का आयोजन 26-30 मई को किया। हिन्दी व अंग्रेज़ी भाषा में आयोजित होने वाली इस वर्कशाप को साहित्य अकादमी ने 2017 में शुरू किया था। इस बार वर्कशाप का यह छठा एडीशन था। बच्चों व नौजवान पीढ़ी को भाषा व साहित्य के प्रति उत्साहित करने और संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से की गई इस पांच दिवसीय वर्कशाप दौरान उनको भाषा, अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति में कल्पना को बढ़ाने में सहायता करने वाले तत्वों बारे जानकारी दी गई। बच्चों को पढ़ने व लिखने का आनंद लेने, भाषा से खेलने और इसको अपनी लेखनी का भाग बनाने की दिशा की ओर पहले कदम के तौर पर क्या करना

43 बच्चों ने भाग लिया

चाहिए, इस बारे भी जानकारी दी गई। बच्चों को व्यक्तिगत व सामूहिक रूप से बातचीत करने हेतु प्रेरित करना भी वर्कशाप का मुख्य उद्देश्य था। अंतिम दिन, भाग लेने वाले बच्चों को उन कहानियों को पढ़कर सुनाया जो उन्होंने पूरी तरह स्वयं को पांच दिनों में बनाई थीं। वर्कशाप दौरान बाल साहित्य के एक प्रसिद्ध लेखक के साथ एक विशेष बातचीत का आयोजन किया गया। इस बार प्रसिद्ध लेखिका मेघा गुप्ता से विशेष बातचीत करवाई गई। वर्कशाप के अंतिम दिन भाग लेने वाले बच्चों के अभिभावक भी आडीटोरियम में शामिल हुए। साहित्य अकादमी के सचिव डा. के. श्रीनिवासराव ने बच्चों को भागीदारी सर्टीफिकेट दिए। डिप्टी सचिव (प्रकाशन) डा. एन. सुरेश बाबू वर्कशाप के इंचार्ज थे। दिल्ली एन.सी.आर. में 10 से 18 वर्ष के 43 बच्चों ने भाग लिया।